कृषि विज्ञान केंद्र आईवीआरआई इज्जतनगर द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक पर ऑनलाइन प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केंद्र बरेली द्वारा कृषको की आय दुगनी करने के उद्देश्य से, मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर एक चार दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण, दिनांक 18 से 21 सितंबर 2020 को आयोजित किया गया। दिनांक 18 सितंबर को प्रशिक्षण के आरंभ में कृषि विज्ञान केंद्र के अध्यक डॉक्टर राज करण सिंह ने कृषकों को खेती के साथ-साथ अपनी आय वृद्धि के लिए छोटे व उपयोगी कृषि व्यवसाय, जैसे मशरूम उत्पादन करने की सलाह दी। आपने बताया कि बहुत कम खर्च में और बहुत कम समय देकर मशरुम उत्पादन करने से न केवल आय प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि स्वयं के लिए बहुत ही पौष्टिक मशरूम की सब्जी का प्रयोग भी कर सकते हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्र में कुपोषण निवारण में भी मदद मिलेगी।

इस प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्र के विषय विशेषज्ञ श्री रंजीत सिंह ने प्रथम व्याख्यान में कृषकों को मशरूम उत्पादन करने का महत्व, मशरूम की पोषकता, मशरूम की विभिन्न प्रजातियां और मशरूम उत्पादन में आवश्यक सामग्री के बारे में विस्तार से बताया। प्रशिक्षण के दूसरे दिन कृषकों को सफेद बटन मशरूम की खेती कैसे करें, इस पर पूर्ण प्रशिक्षित किया गया। इसमें मशरूम की कंपोस्ट कैसे बनाएं, कंपोस्ट बनाने में आवश्यक सामग्री का कैसे प्रयोग करें, किस प्रकार आवरण मृदा तैयार करें, मसरूम कक्ष में फसल की देखभाल कैसे करें। मसरूम की तुड़ाई कैसे करें, उसके कौन-कौन से उत्पाद तैयार कर बिक्री करें, इसके बारे मे विस्तार से बताया गया।

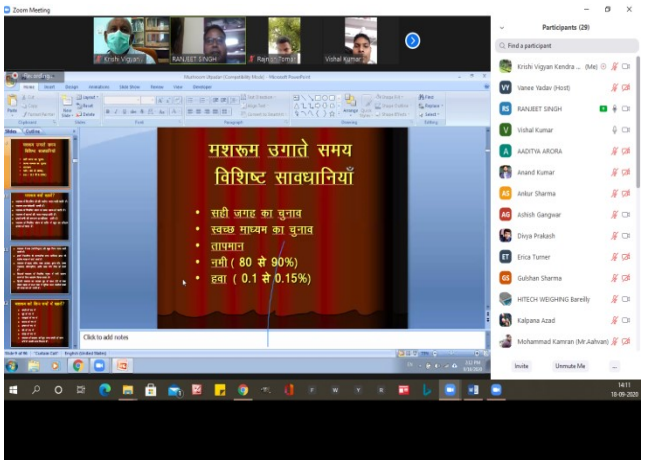

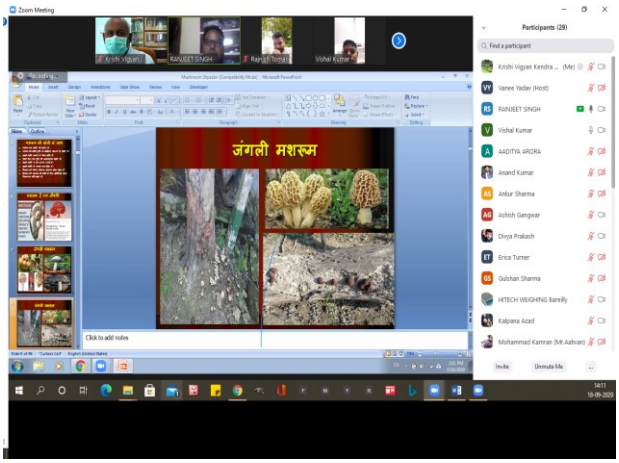

प्रशिक्षण के तीसरे दिन कृषकों को ढ़ींगरी मशरूम की खेती की जानकारी दी गई। साथ ही कु. बरखा रानी, आर एच ए मशरूम लैब पीलीभीत द्वारा मशरूम का स्पान, कैसे तैयार करें, विषय

पर विस्तार से बताया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन कृषकों को मशरूम की बिक्री करने के विभिन्न तरीके समझाए गए। साथ ही मशरूम का आर्थिक विश्लेषण करके बताया गया, कि इस व्यवसाय को करने से किस प्रकार से लाभ प्राप्त किया जा सकता है। प्रशिक्षणार्थियों का मूल्यांकन एक प्रश्नोत्तरी द्वारा किया गया। पूरे प्रशिक्षण की अवधि में प्रशिक्षणार्थियों ने अपनी समस्याओं का समाधान भी प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण को श्री रंजीत सिंह विषय विशेषज्ञ बागवानी द्वारा वैज्ञानिक जानकारी दी गई। साथ हैं । कुमारी बानी यादव व श्री मनीष तोमर द्वारा भी विशेष सहयोग प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में कुल 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया।